हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 36 .4 डिग्री
न्यूनतम 26 .2 डिग्री

12 जिले में हरियाली तीज पर किया पौधरोपण

12 सेक्टर-33 को बनाएंगे हरा-भरा व सुंदरः धर्मवीर पानू

खबर संक्षेप

आदमपुर। आदमपुर खंड के सरपंच प्रतिनिधि व सरपंच।

कपिल खिचड़ सरपंच एसो. के प्रधान बने

आदमपुर। आदमपुर खंड के सरपंचों की बैठक आदमपुर पंचायत घर में हुई। इमें सर्वसम्मति से आदमपुर गांव के सरपंच सुनील उर्फ कपिल खीचड़ को प्रधान, खैरमपुर के सरपंच प्रदीप कुलड़िया को उपप्रधान तथा कोहली के सरपंच पवन सोनी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर कपिल खिचड़ व प्रदीप कुलडीया ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वे लगन व मेहनत के साथ निभाएंगे तथा ग्राम पंचायत एवं सरपंचों के हित में कार्य कार्य करते हुए सरकार व अधिकारियो के सहयोग से विकास कार्य करवाएंगे। सरपंचों व पचायतों की समस्याएं सरकार तक पहुंचाकर उनका समाधान करवाने की कोशिश करेंगे।

अंशुल ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड-2025 के लिए चयनित

हिसार। देश की प्रतिष्ठित संस्था राह ग्रुप द्वारा असाधारण योगदान,

समर्पण और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अथक प्रयास करने वाले नागरिकों को दिए जाने वाले ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड के लिए एतिहासिक गांव मतलोडा निवासी अंशुल गौड़ को थाईलैंड के बैंकाक शहर में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राह ग्रुप फाऊंडेशन के अध्यक्ष नरेश सेलपाड ने बताया कि 2216 उत्कृष्ट आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 51 विजेताओं को ही यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया जा रहा है।

किड्स ताइक्वांडो टीम का चयन कल

हिसार। राज्य स्तरीय किड्स सब जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए जिला हिसार टीम का चयन 29 जुलाई को बहबलपुर में स्थित न्यू काशी पब्लिक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जिला स्तरीय किड्स टीम में 4 से 6 साल तक के कैटेगरी में 18 किलो से कम भार वर्ग व 15 से 18 में, 18 से अधिक, तीन बार वर्गों में चयन किया जाएगा। इसी तरह 7 से 8 साल के बच्चों में 20 किलोग्राम से कम, 20 से 22 किलो ग्राम में, 22 से 24 किलोग्राम भार वर्ग 24 से 27 और 27 से 30 किलो ग्राम भार वर्ग किड्स के कुल 6 भार वर्गों में टीम का चयन किया जाएगा। इसी प्रकार सब जूनियर कैटेगरी में लड़कियों के कुल 16, 18, 20, 22, 24, 26, 29, 32, 35, 38, 41 व 47 किलोग्राम भार वर्ग में चयन होगा।

सीईटी : दूसरे दिन भी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई परीक्षा, ली राहत की सांस

33376 अभ्यर्थियों में से 31722 ने दी परीक्षा, 1654 रहे अनुपस्थित

चेयरमैन हिम्मत सिंह के अलावा अधिकारियों ने किया परीक्षा का अवलोकन, पुलिस व होमगार्ड के जवानों ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। परीक्षा में जाने से पहले युवक की जांच करते पुलिस कर्मचारी, परीक्षा केन्द्रों का दौरा करते चेयरमैन हिम्मत सिंह, साथ हैं जिला प्रशासन के अधिकारी।

जिले में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की दो दिवसीय परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को दोनों शिफ्टों की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से निपट गई। एचपीएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह सहित विभिन्न अधिकारियों ने परीक्षा केन्द्रों का दौरा करके परीक्षा संचालन का जायजा लिया। रविवार को पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से 11.45 बजे और दूसरी शिफ्ट 3.15 से 5 बजे तक चली। दोनों शिफ्टों में कुल 33376 अभ्यर्थियों में से 31722 ने परीक्षा दी जबकि 1654 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए पुलिस व प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। गहन चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हुई। परीक्षा देने के बाद कुछ अभ्यर्थियों के चेहरों पर अच्छा पेपर होने की खुशी दिखाई दी तो वहीं कुछ अभ्यर्थियों के चेहरे पेपर उम्मीद के मुताबिक अच्छी नहीं होने से उदासी छाई हुई थी।

पुलिस होमगार्ड ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था

परीक्षा के दौरान शहर में जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस व होमगार्ड के जवान दिनभर डटे रहे। बस स्टैंड के सामने थोड़ी बहुत जाम की दिक्कत रही, लेकिन पुलिस के जवानों ने स्थिति बिगड़ने नहीं दी। समय रहते वाहनों का संचालन सही करवा दिया गया।

महिला अभ्यर्थियों की उतरवाई चूड़ियां, पायल व धागे

सीईटी परीक्षा में नकल रोकने के लिए अभ्यर्थियों को गहन चेकिंग की गई। परीक्षा केंद्र पर तैनात स्टाफ ने जूते उतरवाकर चेकिंग की। परीक्षा केंद्रों के बाहर महिलाए अभ्यर्थी चूड़ियां, कड़े, पायल, कान की बालियां, घड़ी व धागे उतारती दिखाई दी।

सुबह चार बजे से शुरू हुई बस सेवाएं

परीक्षा के दृष्टिगत रविवार सुबह चार बजे से ही जिले के हिसार, हांसी, बरवाला, अग्रोहा, आदमपुर, उकलाना, बालसमंद, खांडाखेड़ी, नारनौंद आदि प्रमुख बस अड्डों पर परीक्षार्थी पहुंचना शुरू हो गए थे। परीक्षा के लिए भिवानी, जींद आदि जिलों के लिए सुबह लगभग 4 बजे से बस सेवाएं आरंभ कर दी गई। इसी प्रकार से हिसार के के 67 परीक्षा केंद्रों पर सिरसा, भिवानी जिलों से आए परीक्षार्थियों के लिए बसें चलाई

लगभग एक माह में जारी किया जा सकता है सीईटी का रिजल्ट : हिम्मत सिंह

हिसार। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा है कि प्रदेश में सीईटी को पूर्ण निष्पक्षता व शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाना एक बड़ा टास्क था, जो अब सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीईटी का आयोजन एक उत्सव की तरह था। ऐसा लग नहीं रहा था कि यह उत्सव इतने उत्साह के साथ मनाया जाएगा। प्रशासन ने बेहतरीन तालमेल के साथ इस टास्क को पूरा किया है, जिसमें परीक्षार्थियों ने भी अपनी सकारात्मक भूमिका निभाई है। हिम्मत सिंह रविवार को हिसार के परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के उपरांत पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस अवसर पर उपायुक्त अनीश यादव व पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन भी उपस्थित थे। चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि लगभग एक माह की अवधि में सीईटी का नतीजा जारी कर दिया जाएगा। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पहले पोर्टल को ओपन कर उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया जाएगा, जो आवेदन में अपनी श्रेणी नहीं भर पाए थे। इस प्रकार से अभ्यर्थियों को इसमें करेक्शन का अवसर मिलेगा। इसके उपरांत परिणाम घोषित होगा। एडमिट कार्ड जारी न होने पर हाईकोर्ट में डाली गई पिटीशन के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि ये वो आवेदक हैं, जिन्होंने या तो फॉर्म पर साइन ही नहीं किए या अन्य औपचारिकताओं को पूर्ण नहीं किया। कमीशन उनको कैसे कंसीडर करेगा, जिनकी लीगल सेंसिटी नहीं है। परीक्षा में पूछे गए प्रश्न व विकल्पों के विश्लेषण पर रोक के संदर्भ में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि अन्य रिक्रूटमेंट एजेंसीज में भी ऐसा होता है। सीईटी परीक्षा के बाद नौकरियों की भर्ती के प्रश्न पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सरकार की ओर से रिक्वजशिन आएगा, भर्तियां की जाएगी। इस बारे में वार्षिक भर्ती योजना पर भी विचार चल रहा है। शनिवार को सुबह की शिफ्ट में कठिन प्रश्न पूछे जाने और अन्य शिफ्ट अपेक्षाकृत सरल प्रश्न पूछे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारें में नॉर्मलाइजेशन पर विचार किया जा सकता है।

कर्मचारियों के मेडिकल बिलों को नाजायज शर्तें लगाकर किया जा रहा वापस : सहगल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा सरकार प्रदेश के कर्मचारियों व सेवानिवृत कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा देने के नाम पर झूठी वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है। सच्चाई यह है कि कर्मचारियों को यह सुविधा देने से पहले ही दम तोड़ती नजर आ रही है।

यह बात को अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान उदयवीर दुहन व पुलिस कर्मचारी संगठन के प्रधान महेंद्र सिंह स्याहड़वा ने एक संयुक्त बयान में कही। उन्होंने कहा कि सरकार की यह योजना पूर्णतः कर्मचारी विरोधी व धोखाधड़ी का जंजाल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार के सभी विभागों के कर्मचारियों व पेंशनर्ज को सरकारी अस्पतालों व सरकार से स्वीकृत 1340 अस्पतालों में दाखिल होकर ईलाज लेते हैं तो उन्हें अस्पताल में दाखिल समय के मेडिकल खर्च के बिल का भुगतान पीजीआई रेट अनुसार भुगतान कर दिया जाता है। नई कैशलैस मेडिकल स्कीम में भी अस्पताल में दाखिल होने पर ही मेडिकल खर्च का भुगतान कर्मचारी/पेंशनर्ज को देय होगा, लेकिन इस भुगतान व्यवस्था का विवरण सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा दिनांक 7 जून 2024 को जारी अधिसूचना में नहीं दिया गया है। नेताओं ने कहा कि प्रदेश भर के लाखों कर्मचारियों व सेवानिवृत कर्मचारियों ने सरकार द्वारा जबरन थौपी जा रही इस नई कैशलेस मेडिकल स्कीम का नकार दिया है। उन्होंने प्रदेश के सभी कर्मचारियों व सेवानिवृत कर्मचारियों से इस नई कैशलैस मेडिकल स्कीम के लाभ के लिए ई कार्ड बनाने से पूर्णतः इंकार करने का आह्वान किया है, क्योंकि सरकारी नोटिफिकेशन में ई-कार्ड बनाने को लेकर किसी विभाग द्वारा अधिकृत अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई।

कर्मचारियों में रोष

एमएल सहगल, उदयवीर दुहन व महेंद्र सिंह स्याहड़वा ने कहा कि जिला के खजाना अधिकारी द्वारा कर्मचारियों/पेंशनर्ज के मेडिकल बिल नाजायज शर्तों आधीन वापस किए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई को रिटायर्ड कर्मचारी संगठन का प्रतिनिधिमंडल खजाना अधिकारी से उनके कार्यालय में मिलकर मेडिकल बिलों को पास करने की मांग उठाएगा और उसके उपरांत आगामी संघर्ष की घोषणा की जाएगी।

फर्जी कागजात के आधार पर 4.25 लाख का लोन लेने वाला गिरफ्तार

हांसी। साइबर थाना पुलिस ने दूसरे के फर्जी कागजात से धोखाधड़ी कर 4 लाख 25 हजार का लोन लेने वाले छठे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मेरठ जिले के गांव अमेड़ा निवासी ऋषभ के रूप में हुई है। थाना साइबर क्राइम हांसी एसएचओ इंस्पेक्टर सुखजीत ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुछ दिन पहले अपने दोस्तों के साथ मिलकर खांडाखेड़ी निवासी आशीष के फर्जी कागजात पर 4 लाख 25 हजार रुपए का लोन लेकर अपने-अपने खातों में रुपए डलवाये थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है।

हांसी। धोखाधड़ी कर लोन लेने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

ट्रैफिक पुलिस ने कैंटर चालक का ड्रिंक एंड ड्राइव का 20 हजार का चालान काटा, वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। कैंटर चालक की शराब पीने की एल्को मीटर से जांच करते पुलिस कर्मचारी।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान रविवार को तोशाम चुंगी नाके पर चेकिंग के दौरान एक कैंटर ड्राइवर को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। एल्कोमीटर जांच में शराब पीने की पुष्टि होने पर पुलिस ने उसे मौके पर ही हिरासत में लेकर उसका 20 हजार का चालान कर कैंटर को जब्त कर लिया। पुलिस द्वारा एल्कोमीटर जांच में कैंटर ड्राइवर के नशे में होने की पुष्टि हुई।

ट्रैफिक एसएचओ सुनील कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर तोशाम चुंगी नाके पर सब-इंस्पेक्टर सत्यनारायण और उनकी टीम द्वारा जांच के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध कैंटर को कागजात की जांच हेतु रुकवाकर शक के आधार पर चालक की एल्कोमीटर से जांच की गई तो उसकी सांस में शराब की पुष्टि हुई। और निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत कार्रवाई करते हुए चालान किया गया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन ड्राइवर को रोका। ट्रैफिक एसएचओ सुनील कुमार ने स्पष्ट किया कि सड़क पर नशे में गाड़ी चलाना बेहद खतरनाक है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और वाहन चालकों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी विकसित हो।

सहकारिता क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित सहकार भारती के पदाधिकारी व सदस्य।

सहकार भारती हरियाणा के पैक्स प्रकोष्ठ प्रमुख हनुमान गोदारा ने कहा है कि देश को 23 वर्ष बाद नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 मिली है। यह नीति देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने सहकारिता आंदोलन को गति प्रदान करेगी। नीति 50 करोड़ लोगों को सहकारिता से जोडने, देश की प्रत्येक पंचायत में एक पैक्स गठित करने, सहकारिता क्षेत्र में नवाचार का रास्ता खोलेगी, ओला, उबर की तरह सहकारी टैक्सी भी चलेगी।

हनुमान गोदारा ने बताया कि 2026-27 तक देश की सभी पैक्सों का कंप्यूटीकरण किया जाएगा इसके लिए केंद्र सरकार ने लगभग 2500 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है और हरियाणा प्रदेश की 710 पैक्स के कंप्यूटीकारण का कार्य जारी है। अब पैक्स का कार्य किसानों को ऋण तथा खाद, बीज, दवाई उपलब्ध करवाने तक सीमित नहीं रहा है पैक्स अब पैट्रोल पंप, गैस एजेंसी, सीएससी, जन औषधि केंद्र, फसल प्रोक्योरमेंट एवं अनाज भंडारण के लिए गोदाम इत्यादि बनाने का भी काम कर सकती हैं। हरियाणा सरकार ने युवाओं को स्वावलंबी बनाने समाज को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश में सीएम-पैक्स का भी गठन किया जा रहा है। श्री गोदारा ने सहकारिता आंदोलन को गति देने के लिए लाइनेक-एनसीडीसी व सहकार भारती द्वारा गुरुग्राम में सम्पन्न दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग के उपरांत यह जानकारी देते हुए बताया कि सहकार भारती हरियाणा ने संगठन का विस्तार किया है।

इसके तहत कर्मवीर सिंह संधू, सुभाष चंद्र वर्मा तथा सुरजीत सिंह को रोहतक व हिसार विभाग संगठन प्रमुख के नाते तथा अर्जुन सिंह को अंबाला विभाग, अजायब सिंह को करनाल विभाग प्रमुख तथा अमृतलाल को जिला अध्यक्ष, फकीरचंद जिला महामंत्री फतेहाबाद, पवन कुमार को जिला अध्यक्ष, अनिल पुनिया को जिला महामंत्री हिसार, पदम सिंह जिला अध्यक्ष व प्रदीप सिंह को जिला महामंत्री भिवानी, सतबीर सिंह को जिला अध्यक्ष सिरसा का दायित्व दिया जाने पर सहकार भारती हरियाणा के पदाधिकारियों के प्रति धन्यवाद किया।

बारिश का पानी वापस ज़मीन में भेजने के लिए रिचार्ज वेल बनाया

- सुभाष पार्क में फ्रेंड्स क्लब की पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बरसात के मौसम में अक्सर देखा जाता है कि हजारों लीटर पानी नालियों में बहकर व्यर्थ चला जाता है। इसी समस्या को देखते हुए हिसार के सेक्टर-14 स्थित सुभाष पार्क में फ्रेंड्स क्लब के सदस्यों ने एक अनूठी पहल की है। क्लब ने पार्क में एक गहरा ग्राउंडवाटर रिचार्ज वेल बनाया है, जिससे बारिश का पानी सीधे ज़मीन में समा सकेगा और भूमिगत जलस्तर को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। यह प्रेरणा डॉ. सतीश कालरा व सुनीता रहेजा से मिली, जिनके मार्गदर्शन में फ्रेंड्स क्लब ने यह कार्य किया। इस मुहिम में फ्रेंड्स क्लब के सक्रिय सदस्यों आशीष मेहता, पारुल आहूजा, धर्मेंद्र मलिक, नितिन लोहिया, भूषण लाल झांब और हिमांशु कुकड़ेजा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्लब के सदस्यों का मानना है कि अगर हर जगह इस तरह के रिचार्ज वेल बनाए जाएं तो वर्षा जल संरक्षण के साथ-साथ गिरते भूजल स्तर को भी स्थिर किया जा सकता है।

हिसार। फ्रेंडस क्लब द्वारा बनाया गया रिचार्ज वेल।

क्या है रिचार्ज वेल?

रिचार्ज वेल एक ऐसा गहरा कुआं होता है, जो वर्षा जल को धरती की सतह से होते हुए सीधे जमीन के भीतर ले जाता है। इस प्रक्रिया से अंडरग्राउंड वॉटर टेबल में बढ़ोतरी होती है और जल संकट की समस्या को कम किया जा सकता है। फ्रेंड्स क्लब ने सभी लोगों से अपील की है कि वे भी अपने-अपने इलाकों में इस तरह की पहल करें और वर्षा जल को संरक्षित कर पृथ्वी को पानी वापस लौटाने में योगदान दें। फ्रेंड्स क्लब का संदेश है कि परिवर्तन स्वयं से शुरू करें—आज ही पहल करें।

सरकारी सुविधा ना मिलने पर गांव स्तर पर छोटे व मध्यम उद्योग 70 प्रतिशत बंद हुए

राइस, कपास व दाल मिलें होती जा रही ठप : बजरंग गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। व्यापारी प्रतिनिधियों को संबोधित करते व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है कि सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में राइस, कपास व दाल मिले ठप्प होती जा रही है। यहां तक कि सरकार द्वारा कोई सुविधा ना देने पर प्रदेश में गांव स्तर पर छोटे व मध्यम उद्योग 70 प्रतिशत बंद हो चुके हैं।

बजरंग गर्ग यहां व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में लगातार उद्योग पिछड़ने, बिजली की दरों में बढ़ोतरी करने पर व मार्केट फीस ज्यादा होने पर गम्भीर चिन्ता प्रकट की गई। बजरंग गर्ग ने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तरांचल में उद्योग लगाने पर सरकार की तरफ अनेक प्रकार की रियायतें व सुविधा दी जा रही है। हरियाणा में धान, नरमा व गेहूं पर चार प्रतिशत मार्केट फीस बहुत ज्यादा है। राजस्थान में मार्केट नरमा पर 50 पैसे, गेहूं पर 1.60 रुपए, धान पर 1.60 रुपए, मूंग, मोठ, ग्वार पर 1.60 रुपए व बाजरा पर मार्केट फीस फ्री है। उन्होंने कहा कि सरकार को उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के उद्योगपति व व्यापारियों को रियायतें देने की जरूरत है। सरकार ने रियायतें देने की बजाएं उद्योग, रिहायशी व कमर्शियल पर बिजली की दरें अनाप-शनाप बढ़ाकर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। सरकार ने उद्योग पर फिक्स चार्ज 165 रुपए से बढ़कर 290 रुपए करना सरासर गलत है इससे छोटे, मध्यम व बड़े उद्योगों पर भारी भरकम बोझ पड़ेगा। जबकि इस सरकार में व्यापारी व उद्योगपतियों पर इंस्पेक्ट्रीराज पूरी तरह हावी है। प्रदूषण, बिजली, आबकारी एवं कराधान, जीएसटी व मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारी बिना सेवा शुल्क लिए बिना कोई काम तक नहीं करते हैं। सरकारी अधिकारी रिश्वत लेना तो अपना जन्म सिद्ध अधिकार समझते हैं। सरकार को भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

बजरंग गर्ग ने मांग की कि सरकार को उद्योग, रिहायशी व कमर्शियल के बिजली की दरों की बढ़ोतरी को जनहित में वापिस लेना चाहिए। हरियाणा में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधा व रियायतें सरकार को देने की जरूरत है जो सरकार दे नहीं रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनाज मंडी एसोसिएशन जिला प्रधान पवन गर्ग, मंडी के पूर्व प्रधान संजय गोयल, मंदिर प्रधान अशोक गुप्ता, खल-चूरी एसोसिएशन के प्रधान त्रिलोक कंसल, हरियाणा कोटन मिलर एसोसिएशन के प्रधान सुशील मित्तल, संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सह सचिव निरंजन गोयल, अग्रवाल संगठन जिला प्रधान सत्यप्रकाश आर्य, उप प्रधान संजय नागपाल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

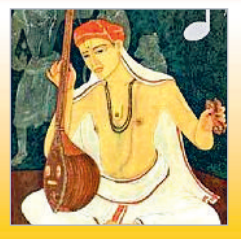

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरू, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरू : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

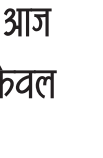

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वाँवें सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | रणबीर सिंह दहिया

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ में सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र | **अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी**

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | ओंकारेश्वर पांडेय

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

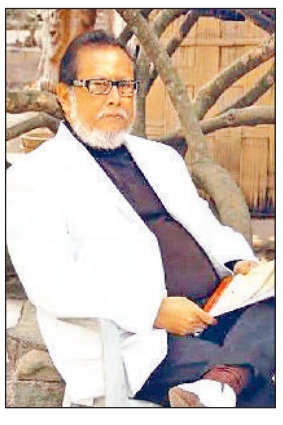

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

नगर निगम को संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए

हिसार। पूर्व मनोनीत नगर निगम पार्षद सुरेश गोयल धूपवाला ने कहा है कि नगर निगम द्वारा पार्कों में बने प्रतिष्ठानों, विशेषकर धार्मिक

स्थलों को हटाने के निर्णय ने नगरवासियों के बीच चिंता की स्थिति उत्पन्न कर दी है। निगम प्रशासन ने शहर के कुछ पार्कों की प्रबंधक समितियों को नोटिस जारी कर सात दिन में इन संरचनाओं को स्वयं हटाने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने का अल्टीमेटम दिया है। निगम का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए लिया गया है। सुरेश गोयल ने कहा की हालांकि, सवाल यह भी उठता है कि यदि यह निर्माण कार्य गैर कानूनी थे, तो उन्हें प्रारंभिक अवस्था में ही क्यों नहीं रोका गया? कई पूजा स्थल वर्षों से संचालित हैं और उनके साथ स्थानीय निवासियों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

धार्मिक आयोजन आध्यात्मिक चेतना का माध्यम : गंगवा

बरवाला। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा रविवार को बरवाला में श्री गौ रक्षा सेवा समिति गौशाला में आयोजित श्री अतिरुद्र महायज्ञ में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं तथा धर्म, संस्कार एवं गौसेवा के प्रति जनजागरण का माध्यम बनते हैं। कैबिनेट मंत्री ने गौसेवा और वैदिक परंपरा के संरक्षण में समर्पित समिति के समस्त पदाधिकारियों एवं सहयोगियों को इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और गौशाला में सेवा के लिए ट्रैक्टर भेंट किया। इसके उपरांत उन्होंने बरवाला के बूथ नंबर 15 पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह रेडियो कार्यक्रम हमेशा नई जानकारियों के साथ प्रेरणा का स्त्रोत बनता है।

गयाब युवती का नहीं लगा कोई सुराग

उकलाना मंडी। उकलाना खंड के गांव से एक युवती पिछले महीने लापता हुई थी। उसकी गुमशुदगी की तलाश की शिकायत 23 जून को दर्ज करवाई थी। उस उपरांत परिजनों ने गांव के हैं युवक पर युवती को गायब किए जाने की आशंका जताई है। परिजनों ने कई बार पुलिस से मुलाकात की है लेकिन कोई संतोषजनक उतर ना दिए जाने पर लड़की की माता आज थाने में पहुंची और इसके साथ गांव के सरपंच व अन्य ग्रामीण भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लड़की बरामद नहीं होती है तो वह पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करेंगे जबकि ग्रामीणों ने कहा कि गांव का युवक का बाकायदा नाम दिया है लेकिन कोई गिरफ्तारी या बरामद की नहीं हो रही। इस विषय में वे उच्च अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

गुजविप्रौवि फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न, कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने की अध्यक्षता

भारत को विकसित बनाने के लिए उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करना आवश्यक

हरिभूमिन्यूज ▶▶| हिसार

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के निदेशक कुनाल जीत ने कहा है कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के बनाने के लिए देशवासियों में उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करना आवश्यक है। एआईसीटीई तथा शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) इस दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस अभियान में हिसार के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रयासों और योगदान की प्रशंसा भी की।

हिसार। एआईसीटीई के निदेशक कुनाल जीत का स्वागत करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई।

कुनाल जीत गुजविप्रौवि के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) द्वारा एमआईसी और एआईसीटीई के सहयोग से आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने की। मुख्य अतिथि कुनाल जीत ने नवाचार को बढ़ावा देने में गुजविप्रौवि की सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों को एक रचनात्मक गतिविधि में शामिल करते हुए मौलिक सोच के महत्व को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय की तेज प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कुलपति की दूरदर्शिता की प्रशंसा की और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा एआईसीटीई के अध्यक्ष डॉ. टीजी सीताराम की विश्वविद्यालय यात्रा के प्रसंग सांझा किए। उन्होंने कहा, यह एफडीपी एआईसीटीई के रेगुलेटर से फैसिलिटेटर की भूमिका में बदलाव का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के तहत, हम पूरे देश में उद्यमशील मानसिकता विकसित कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से एआईसीटीई की वेबसाइट पर उपलब्ध योजनाओं को देखने और उनका लाभ उठाने का भी आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नारसीराम बिश्नोई ने एआईसीटीई के निरंतर सहयोग के लिए कुनाल जीत का आभार व्यक्त किया और बताया कि जीजीयूएसटी द्वारा शुरू किए गए कौशल विकास कार्यक्रम अब ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि नवाचार आधारित गतिविधियों के निरंतर आयोजन और एफडीपी के त्वरित अनुमोदन से एआईसीटीई की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। उन्होंने यह भी साझा किया कि इस वर्ष विदेशी छात्रों के नामांकन में वृद्धि की संभावना है और विश्वविद्यालय ने वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से उद्यमिता पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया है। कुनाल जीत ने कुलपति के वक्तव्य के उत्तर में जीजीयूएसटी के साथ भविष्य में और भी सहयोग की पुष्टि की। एचएसबी के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस बात पर बल दिया कि छात्रों को नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वाला बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने एमआईसी और एआईसीटीई द्वारा लिए गए इस प्रेरणादायक पहल की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के एफडीपी शिक्षकों और छात्रों में उद्यमशीलता की भावना जगाने का कार्य करते हैं।

एफडीपी समन्वयक प्रो. सुनीता रानी ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह एफडीपी केवल सामग्री आधारित नहीं बल्कि व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी समृद्ध था। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को उनके उद्यमशील सपनों को साकार करने और छात्रों को सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षित करना था। उन्होंने सप्ताह भर चले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी जिनमें इनक्यूबेशन केंद्रों के भ्रमण, हैंड्स-ऑन कार्यशालाएं, बिजनेस मॉडल कैनवस (बीएमसी), बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), विचार सृजन, स्टार्टअप वित्त, और पिचिंग तकनीकों पर व्याख्यान शामिल थे।

प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। बीपीएसएम से प्रो. प्रमोद ने एआईसीटीई, एमआईसी और आयोजन टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस एफडीपी से उन्हें अनेक व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी मिली। राजकीय महाविद्यालय, हिसार से मोनिका ने बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में उद्यमिता को समय की मांग बताया और कहा कि यह एफडीपी उनके ज्ञान में निश्चित रूप से वृद्धि लेकर आया है। जगन्नाथ विश्वविद्यालय से डॉ. निरंजन ने संस्थानों में प्लेसमेंट सैल के साथ-साथ उद्यमिता सैल स्थापित करने का सुझाव दिया। श्रीमती निर्मला ने कहा कि स्टार्टअप और नवाचार के प्रति जागरूकता फैलाने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ है, लेकिन इसे यहीं रोकना नहीं चाहिए बल्कि छात्रों में इन मूल्यों को आत्मसात करवाना चाहिए। एचएसबी के डीन प्रो. कर्मपाल नरवाल ने बताया कि यह एफडीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कौशल विकास से जुड़े लक्ष्यों के अनुरूप है।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए

एफडीपी समन्वयक डॉ. मणि श्रेष्ठा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए एआईसीटीई, एमआईसी के नवाचार प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों, सहायक कर्मचारियों और प्रतिभागियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

15 लीटर लाहन व 8 लीटर कच्ची शराब साथ एक काबू

नारनौंद। बास थाना पुलिस ने अवैध शराब 15 लीटर लाहन व 8 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब सहित अमित निवासी उगालन को गिरफ्तार किया गया है। थाना बास में तैनात एएसआई सुशील कुमार ने बताया कि थाना बास पुलिस को गुप्त सुचना मिली की एक व्यक्ति गांव उगालन में अपने घेर में अवैध शराब छुपाए हुए है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को हिरासत में लेकर मौके से आठ लीटर कच्ची शराब व 15 लीटर लाहन बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर आरोपित के खिलाफ थाना बास में शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सपाइसी होटल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

टोहाना। शहर के हिसार रोड स्थित स्पाइसी होटल में शनिवार देर रात करीबन ढाई बजे शॉर्ट सर्किट के कारण के आग लग गई जिससे होटल में रखा लाखों की कीमत का सामान जलकर नष्ट हो गया। आग की सूचना पाकर पहुंची दमकल विभाग की दो गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। मिली जानकारी अनुसार होटल मालिक मनदीप कुमार ने बताया कि वह होटल में बने कमरे में सो रहा था तो अचानक से धुआं आने लगाज जब वह बाहर आया तो देखा कि होटल के बाहर आग लगी हुई है। आग की सूचना पर साथ लगते पेट्रोल पंप के कर्मचारी भी बाहर आ गए तथा आग पर काबू पाने के लिए कार्य शुरू कर दिया।

पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं संग सुनीं 'मन की बात'

कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पार्षदों को किया सम्मानित

हरिभूमिन्यूज ▶▶| हिसार

पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 124वां एपिसोड पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुना। कार्यक्रम का आयोजन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित बूथ संख्या 16 पर भाजपा नेत्री डॉ. उषा कौशिक के निवास पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मनोनीत पार्षद गगन शर्मा एवं पार्षद अमित सिंगल को उनके पार्षद पद पर मनोनयन के लिए पुष्प

हिसार। मन की बात कार्यक्रम सुनते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता।

माला पहना कर सम्मानित किया गया। डॉ. कमल गुप्ता ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि 'मन की बात' ने देश के कोने-कोने में नागरिकों को जागरूक और प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अब जनचेतना का माध्यम बन चुका है और लाखों लोग हर महीने के अंतिम रविवार को इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं।

ब्यूटी एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमिन्यूज ▶▶| हिसार

कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी ने तरसेम नगर स्थित रविदास भवन के पास ब्यूटी एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र महिलाओं के कौशल विकास व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस केंद्र से तरसेम नगर के अलावा आसपास के सेक्टर, न्यू जवाहर नगर व मिल गेट एरिया में रहने वाले लोगों को लाभ होगा। इस अवसर पर संस्था की प्रधान मौसमी कर ने कहा कि जब महिलाएं एकजुट होकर कार्य करती हैं और एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ती हैं, तभी सच्चे अर्थों में नारी सशक्तिकरण संभव होता है। कोई भी केंद्र तभी सफल होता है जब

हिसार। ब्यूटी प्रशिक्षण एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के अवसर पर उपस्थित कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी की सदस्य।

उसमें समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ कार्य किया जाए। संस्था की उपाध्यक्ष कोमल राठौर ने कहा कि कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी समाज में ऐसे प्रयास आगे भी जारी रखेगी। हमारा उद्देश्य है कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और उन्हें समाज में एक सशक्त पहचान मिले। आने वाले समय में हम और भी प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना कर सामाजिक उत्थान में योगदान देंगे। प्रशिक्षण की प्रमुख विशेषताएं यह एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। कोर्स को चार भागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग की अवधि तीन महीने की होगी। प्रत्येक चरण के बाद प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) दिया जाएगा।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच ने दिखाया वेलडन

■ सीए बनने के लिए बहुत से युवाओं को देखने पड़ते उतार-चढ़ाव : सीए अमन बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सामाजिक व पारिवारिक सरोकारों से जुडक़र एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा वेलडन सीए साहब मूवी का विशेष शो दिखाया गया। इसके लिए काफी संख्या में सीए एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

हिसार। वेलडन सीए साहब के शो के लिए एकत्र एनआईआरसी हिसार ब्रांच से जुड़े सीए व पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

(आईसीएआई) के तत्वावधान में कार्य कर रही है। इससे काफी संख्या में सीए जुड़े हुए हैं। अधिकतर सीए हमेशा ऑडिटिंग व बैलेंस शीट में उलझे रहते हैं। इसलिए नियमित दिनचर्या से अलग हटकर उनके मनोरंजन के लिए वेलडन सीए साहब मूवी देखने की व्यवस्था की गई। सीए अमन बंसल ने बताया कि दरअसल इस मूवी में सीए आदित्य त्रिवेदी ने अपने अनुभवों को संजोया है। उन्होंने कहा कि अधिकतर सीए को इस मुकाम तक पहुंचने लिए बहुत से उतार-चढ़ाव देखने पड़ते हैं। बहुत से युवा तो विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए सीए बनते हैं। उन्होंने बताया कि वेलडन सीए साहब मूवी भी सीए की संघर्षगाथा व उसके सपनों पर आधारित है। इसे देखकर निश्चित ही सीए को काफी कुछ नया सीखने को मिला होगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर एनआईआरसी हिसार ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए अजय गोयल व कार्यकारी सदस्य सीए सुनील कुमार सहित स्थानीय इकाई के काफी सदस्य उपस्थित रहे।

करनाल में होने वाली शतरंज प्रतियोगिता के लिए टीम चुनी

हरिभूमिन्यूज ▶▶| हिसार

दो-तीन अगस्त को करनाल में होने वाले 39वीं हरियाणा राज्य स्तरीय ओपन शतरंज प्रतियोगिता के लिए जिला हिसार ओपन कैटेगरी की शतरंज टीम का चयन रविवार को सेक्टर स्थित केपी शतरंज अकादमी में किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता करनाल के सेक्टर 14 स्थित वाटिका लॉन में दो-तीन अगस्त को आयोजित होगी जो की द हरियाणा शतरंज एसोसिएशन के सानिध्य में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर किसी भी आयु वर्ग के खिलाड़ी ओपन कैटेगरी में भाग

हिसार। शतरंज प्रतियोगिता के विजेता बच्चे।

ले सकते हैं। शतरंज एसोसिएशन हिसार के पदाधिकारी एडवोकेट नीरज वर्मा व डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में महिला व पुरुष वर्ग के विजेता खिलाड़ी करनाल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिसार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्री पीपासर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

सरकार द्वारा चलाए गए अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत संचालिका श्रीमती सुमन गोदारा ने स्कूल परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार व फलदार पौधे लगाए। स्कूल की प्राचार्या ललिता शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यावरण प्रदूषण व असंतुलित जलवायु की मार झेल रहा है जिसके गंभीर परिणाम भी हमारे सामने है। अतः हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर धरती मां का श्रृंगार बढ़ाना चाहिए ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी स्वस्थ सांस ले सके। उन्होंने बच्चों को पौधे बांटे ओर कहा

आदमपुर। पीपासर विद्यालय में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए सुमन गोदारा व विद्यार्थी।

कि आध्यात्मिकता के साथ-साथ प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने के लिए आपके द्वारा किया गया पौधरोपण का कार्य सर्वोत्तम है। क्षेत्र में अब तक लाखों पौधे लगाने है। सुमन गोदारा ने कहा कि हमें विभिन्न अवसरों पर खूब पौधे लगाने चाहिए। स्कूल के निदेशक सुभाष गोदारा व लिपिक रामकुमार, कोऑर्डिनेटर रविकांत शर्मा, राजबीर पूनिया, प्रमोद शर्मा, कर्ण सिंह, संदीप कुमार, विष्णु, विजय, द्वारका प्रसाद माली आदि उपस्थित रहे व सभी ने पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प लिया।

ओशो ध्यान उपवन में शांति व प्रेम विषय पर ध्यान सत्र आयोजित

शांति व प्रेम जीवन के अभिन्न अंग : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। शांति व प्रेम विषय पर आधारित इस ध्यान सत्र में साधकों को मानव जीवन में शांति व प्रेम का महत्व समझने का भी अवसर मिला। इस दौरान मां सांची ने साधकों को ध्यान की सरल विधियों से रूबरू करवाया और उनका नियमित अभ्यास करने के लिए भी प्रेरित किया। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने शांति व प्रेम विषय पर चर्चा करते हुए शांति

हिसार। हिसार में स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

व प्रेम को खुशहाली का महत्वपूर्ण अंग बताया। उन्होंने कहा कि दूसरों से आगे निकलने की होड़ में एवं भौतिक संसाधनों की अधिकता के लिए इंसान अंधी दौड़ में लगा है। इस प्रयास में इंसान संवेदनाओं से दूर होकर शांति से विमुख होता जा रहा है। इसके साथ ही प्रेम भी छूटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति व प्रेम जीवन के अभिन्न अंग हैं, इसलिए इन्हें जीवन में अपनाना चाहिए। शांति और प्रेम दिखावे की वस्तु नहीं है यह आंतरिक अनुभव है, ये अपने भीतर की जागरूकता से प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे सुखद या दुखद परिस्थितियां हों, उनसे घबराने की अपेक्षा उन्हें स्वीकार करना सीखना चाहिए। इसके साथ ही शांति व प्रेम को पाने के लिए अपने विचारों, भावनाओं व कर्मों के प्रति जागरूक होना चाहिए। स्वामी संजय ने बताया कि ध्यान सत्र के दौरान साधकों को सतगुरु ओशो के संचित प्रवचन सुनने का भी अवसर मिला। ओशो के अनुसार शांति को प्राप्त नहीं किया जा सकता बल्कि यह एक ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति जागरूक होकर वर्तमान क्षण में रहकर और साक्षी भाव से जीवन को स्वीकार करता है। ओशो ने शांति के मार्ग के रूप में ध्यान और जागरूकता पर जोर दिया है। उनका कहना है कि जब हम अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूक होते हैं तो हम उनसे अलग हो जाते हैं और स्वयं को जान पाते हैं। यह जागरूकता ही शांति की कुंजी है। ओशो ने समझाया है कि शांति और प्रेम एक यात्रा है, एक खोज है, जो भीतर से शुरू होती है।

तीज पर 'ग्रीन हिसार फिट हिसार' का पौधरोपण अभियान चलाया

जिले में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज और कई स्थानों पर किया गया पौधरोपण

सुबह 6 बजे से ही स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ 200 पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाली तीज के पावन अवसर पर हमारा प्यार हिसार और ग्रीन हिसार फिट हिसार की टीमों ने मिलकर मॉडल टाउन की ग्रीन बेल्ट संख्या-3 (पुष्पा कॉम्प्लेक्स के सामने) में पौधारोपण अभियान चलाया। सुबह 6 बजे से ही दोनों संस्थाओं के स्वयंसेवक पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ एकत्रित हुए और लगभग 200 पौधे लगाए।

इस अभियान में लगाए गए प्रमुख पौधों में जामुन, सहजन, सहतूत, कॉनोकार्पस, बांस, कैसूरिना और रंग-बिरंगे बुगेनवेलिया शामिल रहे। नगर निगम प्रशासन द्वारा पूर्व में खुदवाए गए गड्ढों के कारण पौधरोपण कार्य व्यवस्थित और सरलता से संपन्न हो सका।

इस आयोजन में डॉ. एसके गर्ग, डॉ. राजकुमार वर्मा, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. रमेश भाटी, डॉ. विजय कादयान, सत्येंद्र यदुवंशी, राजेन्द्र, जितेंद्र बंसल, सुरेन्द्र सैनी, जगतार सिंह, रमेश कुमार, दिनेश बंसल, अंकित गर्ग, प्रवीण मित्तल, अमित गर्ग, मनदीप पूनिया, आदेश मलिक, कमल भाटिया, नीलम असीजा, अनुराधा, नवप्रीत, सुनीता, शर्मिला, माधवी, सरिता, शंकर, देव, भरत भाटिया, अनिल, चिराग, चन्द्रकांत, ऐश्वर्या, रिया, मेघा, अभिमन्यु, सार्थक, ध्रुव, शौर्य, आराध्या, रजत और मुकुल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल रहा, बल्कि सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता का भी बेहतरीन उदाहरण बना।

हिसार। पौधरोपण अभियान में उपस्थित दोनों संस्थाओं के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आदमपुर। मदर प्राइड स्कूल में तेज उत्सव पर मेहंदी कला का प्रदर्शन करते हुए छात्राएं।

तीज महोत्सव पर सांस्कृतिक रंगों में रंगा मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल

आदमपुर। शिव कॉलोनी स्थित मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल में हरियाली तीज का उत्सव बड़े ही धूमधाम और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक लोकनृत्यों से हुई, जिसमें छात्राओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में सुंदर प्रस्तुति दी। बच्चों ने गांव की संस्कृति को दर्शाते हुए झूले, ग्रामीण जीवन के मॉडल और पारंपरिक झांकियों का निर्माण किया। इसके साथ ही मेहंदी रचाओ गतिविधि, रंग भरो प्रतियोगिता और तीज से जुड़ी रचनात्मक कक्षाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय निदेशिका ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को तीज की शुभकामनाएं दी और बच्चों द्वारा प्रस्तुत कला और संस्कृति की सराहना की। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए न सिर्फ मनोरंजन का साधन बना, बल्कि उन्हें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी एक प्रभावी माध्यम रहा।

हिसार। तीज उत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं।

रायल स्कूल खारा खेड़ी में हरियाली तीज उत्सव के साथ-साथ मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। रायल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खाराखेड़ी में शुक्रवार को हरियाली तीज का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान संकाय की छात्रा खुशमिता और नव्या ने मंच का संचालन किया। भव्या चेल्सिया और खुशमिता ने अपने भाषण के माध्यम से हरियाली तीज के इतिहास, स्वरूप व समाज में स्थान आदि बिंदुओं पर प्रकाश डाला। आठवीं कक्षा छात्राओं अनुष्का, इकनूर तथा जोशनिका ने तीज के सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही साथ स्कूली बच्चों में प्रतिभा निखारने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 'मेहंदी रचाओ' प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें वंशिका, मानवी, श्रेया, प्राची, हरगुन, आयुषी, गुंजन, सुजया, यशिका, आरवी, कीर्ति, सना, कुसुम, जिप्पी, खुशी एवं मुस्कान सबसे सुंदर मेहंदी लगाकर पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रही। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने पेड़ों पर डाले गए झूलों पर झूला झूलने का आनंद लिया। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा ने सभी को हरियाली तीज की बधाई दी।

भाविप ने किया तीज महोत्सव का आयोजन

हांसी। भारत विकास परिषद शाखा ने तीज उत्सव की पूर्व संध्या पर सुगन गार्डन में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनोद भयाना की धर्मपत्नी सुनीता भयाना और उनकी पुत्रवधू महक भयाना थी। महिला प्रमुख पूनम मनचंदा, वीना गर्ग, सविता भारद्वाज, विद्या देवी, सीमा खुराना,चंद्र अरोड़ा, नरेश आहूजा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि महक भयाना ने कहा कि आज का कार्यक्रम एक परिवार मिलन की तरह है और ऐसे कार्यक्रमों से हमें एकता की भावना को बल मिलता है और उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद से हमें संस्कार सीखने को मिलते हैं। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन रेनू खुराना ने किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों द्वारा गीत और चुटकुले सुनाए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दयानंद मेहता और सचिव श्रीचन्द आहूजा, डॉक्टर रंजीत सैनी, क्षेत्रीय सेवा प्रमुख कमलेश गर्ग, दिलबाग वर्मा, सुभाष कटारिया, राजकुमार मनचंदा, संजय सिधर, डॉ वीरेंद्र आहूजा, प्रमोद ठकराल, रमेश अरोड़ा, डॉ राकेश भारद्वाज, अश्विनी पोपली, सतवीर कौशिक, अनिल चराया, प्रेम खुराना, राजेश खुराना, भरत सिंह, प्रवीण गर्ग, राम अवतार सिंह, अश्वनी पोपली, प्रमोद धमीजा आदि उपस्थित थे।

तीज सिंधारा उत्सव में गुजराती संस्कृति की रही धूम

हिसार। अग्रवाल महिला विकास समिति का तीज सिंधारा उत्सव मिड टाउन ग्रैंड में धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव में गुजराती संस्कृति की धूम रही और बड़े ही मनोरंजक ढंग से हमारी बा व बेन एवं म्हारो डिकरो व डिकरी चुने गए। इस दौरान अग्रवाल महिला विकास समिति ने सामाजिक सरोकारों से जुड़कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देते हुए निशुल्क पौधे वितरित किए और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों को 11 हजार रुपये की एफडी भी सेवार्थ भाव से प्रदान की। तीज सिंधारा उत्सव को सफल बनाने में अग्रवाल महिला विकास समिति की अध्यक्ष अनुपमा अग्रवाल, सचिव लता सिंगल, उपाध्यक्ष रेखा केडिया, कोषाध्यक्ष निशा गुप्ता, उपसचिव अमिता गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य पिंकी गोयल, अनीता गोयल, सुमन गुप्ता, रीना सातरोडिया, रोजी बंसल, इंदु गुप्ता व प्रीति जिंदल सहित समस्त सदस्यों ने विशेष भूमिका निभाई। बा स्पर्धा में सरोज गर्ग प्रथम व नीलम बंसल द्वितीय रही जबकि बेन स्पर्धा में प्रीति सिंगला ने पहला स्थान और बबीता चौधरी ने दूसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागी बच्चों को म्हारो डिकरो व डिकरी स्पर्धा का पुरस्कार दिया गया।

एकता पब्लिक स्कूल में मनाई तीज

हांसी। द ईपीएस (एकता पब्लिक स्कूल (रन बॉय रेनाल्ट रेनाल्ट किड्स ग्रुप) के प्रांगण में छात्रों ने हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में मेहदी, नृत्य आदि क्रियाकलापों का आयोजन किया गया और तीज महोत्सव पर बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। प्राचार्या पूजा मुंजाल ने बच्चों को तीज का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के उत्सवों से बच्चों को प्रेरणा मिलती है और बच्चे भारतीय संस्कृति से परिचित होते है जो, कि विश्व की एक महान संस्कृति है। उन्होंने बताया कि यह उत्सव महिलाओं का उत्सव है और चारों ओर हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। तीज हिन्दू धर्म का प्रमुख तीज का त्योहार है। इस प्रमुख त्यौहार है। तीज त्यौहार को हिन्दू धर्म में नाम से भी नाम बताया कि हरतालिका व्रत है। उन्होंने बताया जाना जाता है। तीज का त्यौहार श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। इस दिन हरे रंग बहुत अधिक महत्व माना जाता है। यह पर्व प्रेम व सौहार्द का पर्व है कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या पूजा मुंजाल ने सभी विद्यार्थियो व स्टाफ सदस्यों को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी।

तिरुपति धाम के संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

हिसार। उत्तर व दक्षिण भारतीय संस्कृतियों में सामंजस्य स्थापित करने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में संकीर्तन के साथ भगवान का झूला उत्सव धूमधाम से शुरू हुआ। 9 अगस्त तक चलने वाले इस झूला उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। तिरुपति धाम के जगमोहन प्रांगण में झूले का भव्य श्रृंगार करके पूरे विधि विधान से भगवान वेंकटेश के विग्रह को झूले पर शोभायमान किया गया। इसी भांति पूजा अर्चना के उपरांत माता के विग्रह को भी साथ विराजमान किया गया। इस दौरान भजन रस प्रवाहक भैया दिव्य दास जी और मंडली द्वारा संकीर्तन करके भगवान की आराधना की गई। इसके साथ ही अर्चकों द्वारा मंत्रोच्चारण करते हुए झूला झुलाने की रस्म को शुरू किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का कोई पारावार नहीं रहा। भक्तगण जय श्रीमन्नारायण, जय गोविंदा, जय भगवान वेंकटेश व जय तिरुपति बालाजी के उद्घोष करते रहे। झूला उत्सव के लिए पूरे तिरुपति धाम को रंग-बिरंगी लडियों से सुसज्जित किया गया। इतना ही नहीं धाम के हरे-भरे उद्यान क्षेत्र में झूले भी लगाए गए। इन झूलों पर बच्चों व महिलाओं ने झूलते हुए खूब आनंद उठाया। झूला उत्सव के शुभारंभ पर संकीर्तन के दौरान भजन रस प्रवाहक भैया दिव्य दास जी ने भजनों से समां बांध दिया और भगवान की महिमा सुनकर भक्तगण झूमने लगे। संकीर्तन के समापन पर सभी श्रद्धालुओं में भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। झूला उत्सव में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने श्री तिरुपति धाम में श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी, श्री वरवर मुनि जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों में दर्शन किए। भक्तगणों ने 42 फुट ऊंचे सोने के श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम, श्री तिरुपति यज्ञशाला, श्रीनिवास गोशाला, पवित्र पुष्करणी व 71 फुट ऊंचे गोपुरम के दर्शनों का भी लाभ प्राप्त किया।

आजाद नगर पार्क में किया पौधरोपण

हिसार। आजाद नगर साकेत कॉलोनी पार्क में हरियाली तीज के मौके पर सभी गणमान्य साथियों ने मिलकर पौधरोपण किया। इस अवसर पर वार्ड 19 के पार्षद सत्यवान पान्नू एवं वार्ड के गणमान्य एवं सम्मानित व्यक्तियों ओमप्रकाश चाहर, रामजी लाल, मनीराम बागड़ी, संजय सुहाग, प्रदीप, सतीश आहुजा, दीपक कालरा, दीपक मिढ़ा, रमेश कालरा के मेंबर्स के साथ मिलजुल कर हरियाली तीज के दिन पर्यावरण बचाओं का संदेश दिया।

भारत आहूजा को थाईलैंड में मिला इंटरनेशनल बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से हुए सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

फुकेट (थाईलैंड) के एक प्रतिष्ठित फाइव स्टार होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में 'बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स' का आयोजन किया गया। यह सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को प्रदान किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता राहुल देव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और सम्मान समारोह की शोभा बढ़ाई।

अपने करिश्माई अंदाज में उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों को सम्मानित किया। हरियाणा के विज्ञापन जगत की जानी-मानी शख्सियत एवं 'सुविधा एड्स एंड इवेंट्स' के निदेशक भारत आहूजा को इस अवसर पर 'प्रॉमिनेंट एंड बेस्ट एजेंसी इन प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, आउटडोर एंड डिजिटल मीडिया' के प्रतिष्ठित खिताब से नवाजा गया। भारत आहूजा बीते दो दशकों से विज्ञापन क्षेत्र में अपनी सृजनात्मक सोच, प्रभावशाली मीडिया रणनीति और व्यावसायिक प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने हजारों क्लाइंट्स के लिए अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म्स—जैसे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, आउटडोर, डिजिटल और पीआर पर प्रभावशाली कैंपेन तैयार किए हैं। सम्मान प्राप्त करते हुए भारत आहुजा ने कार्यक्रम आयोजकों और विशेष रूप से राहुल देव के प्रति आभार प्रकट किया।

हिसार। सम्मान प्राप्त करते भारत आहुजा।

तीज पर स्वदेशी कोथली का किया वितरण

- स्वदेशी जागरण मंच ने हरियाली तीज पर शुरू किया स्वदेशी कोथली अभियान, रक्षाबंधन तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

स्वदेशी विचारधारा व स्वदेशी उत्पादों की अलख जगाते हुए स्वदेशी जागरण मंच ने हरियाली तीज पर अनूठी पहल की है। दरअसल स्वदेशी जागरण मंच ने स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के तहत स्वदेशी महिला कार्यकर्ताओं व बहनों को स्वदेशी कोथली भेंट करके हरियाली तीज की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अनूठी पहल की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। हरियाली तीज पर शुरू किया गया स्वदेशी कोथली का यह अभियान रक्षाबंधन तक चलेगा और इससे जन-जन को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय स्वदेशी मेला प्रमुख अनिल गोयल ने बताया कि स्वदेशी, स्वरोजगार व स्वावलंबन के लिए मंच पूरी शिद्दत से प्रयत्नशील है। इसी कड़ी में स्वदेशी कोथली की सोच को क्रियान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि कोथली में हिसार में निर्मित स्वदेशी उत्पादों का समावेश किया गया है। इसमें रसोई, स्नानघर, शौचालय, वॉशिंग व ड्रेसिंग में प्रयुक्त होने वाली वस्तुओं को जोड़ा गया है। काली मेहंदी, फेस पैक, गुलाब जल, किचन वॉश, मैटिक लिक्विड वॉश व टॉयलेट क्लीनर आदि स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी गई है। अनिल गोयल ने बताया कि कोथली के साथ स्वदेशी उत्पादों की सूची व संकल्प पत्र भी बहनों को भेंट किया गया है। यह स्वदेशी कोथली वितरण अभियान हरियाली तीज से शुरू होकर रक्षाबंधन तक चलेगा। जिस भी महिला कार्यकर्ता व बहन को यह कोथली भेंट की गई उनके पूरे परिवार को स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करने एवं वोकल फॉर लोकल का संकल्प भी दिलवाया गया है।

माइयड़ टोल पर महिलाओं ने मनाई तीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नजदीकी गांव मैय्यड टोल पर तीज महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया है। इस मौके पर तीज महोत्सव पर हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किए। इसी दौरान दस क्विंटल से गुलगले सुहाली, घेवर लोगों को वितरित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष दलजीत पंघाल ने किया। महिलाओं ने मेहंदी लगाई गई और झूले भी झूले गए। प्रधान दलजीत पंघाल ने कहा कि तीज हरियाणवी संस्कृति और परंपरा एक अभिन्न अंग है जो तीज त्यौहार और खास बनाते है। उन्होने कहा कि कार्यक्रम में महिलाओं ने बढचढ कर हिस्सा लिया है। तीज महोत्सव को हरियाली तीज भी कहा जाता है।

यह भारत में मनाया जाने वाला विशेष त्यौहार है। महिलाएं इस दिन अपने पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती है और भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती है। इस दौरान गुलगुले मठ्ठी घेवर वितरित किया। इस मौके पर महिला समिति की प्रधान मूर्ति देवी, राजपति पघाल, राजपूत, अमरपुर, कमला, गुड्डी, धर्मो देवी, तन्नु, सुखदेई शांति देवी, मनपति, सोमवीर, रामकिशन, कृष्ण नैन, जयवीर, रिककी, डा. सुरेश पूनिया, रामकिशन व हवासिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व महिलाएं मौजूद थे।

स्वांग 'त्रिया चरित्र' का तुलसी ऑडिटोरियम में हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जेएसएल के तुलसी ऑडिटोरियम में रविवार को हरियाणा की प्राचीन लोकनाट्य परंपरा 'स्वांगः त्रिया चरित्र' का मंचन किया गया। यह प्रस्तुति दर्शकों के लिए लोककला और नाट्य के अनूठे संगम का अनुभव लेकर आई। इस स्वांग का निर्देशन अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार एवं अध्यक्ष, स्वांग फोक एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. सतीश कश्यप द्वारा किया गया। डॉ. कश्यप ने अपने निर्देशन से पारंपरिक स्वांग शैली में आधुनिक रंग-संयोजन और प्रभावशाली प्रस्तुति का समावेश कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति में रमण नाशा, प्रगति सिंह, विभोर भारद्वाज, अनिल सैनी, संजना कश्यप, अपूर्व भरद्वाज, राजेश खन्ना, प्रीतपाल, नीरज लोट ने सहयोग दिया। संगीत कमल राना, नृत्य निर्देशक राखी जोशी और प्रकाश सज्जा कमलदीप रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय बिंदलिश और राकेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों ने मंच से स्वांग जैसी पुरातन लोक विधा को संरक्षित और प्रचारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार के आर्ट एंड कल्चरल डिपार्टमेंट के तत्वावधान में किया गया।

सेक्टर-33 में पौधरोपण अभियान का आयोजन, बड़ी संख्या में किया गया

सेक्टर-33 को बनाएंगे हरा-भरा व सुंदरः धर्मवीर पानू

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सेक्टर-33 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान धर्मवीर पानू की अध्यक्षता में सेक्टर 33 में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेक्टरवासियों, महिलाओं और अधिकारियों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर कंवर सिंह नेहरा और सह संयोजक रामकुमार संगवाल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम चलाया गया। प्रधान धर्मवीर पानू ने इस कार्यक्रम में पहुंचने पर अधिकारियों और सेक्टरवासियों का धन्यवाद किया और पौधों के हमारे जीवन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पौधे हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और हमें पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए पौधारोपण करना चाहिए। पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वायु प्रदूषण को कम करते हैं और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

हिसार। सेक्टर-33 में आयोजित पौधारोपण अभियान के तहत मौजूद सैक्टरवासी व अन्य गणमान्य व्यक्ति।

प्रधान धर्मवीर पानू ने इस अभियान में शामिल सभी लोगों धन्यवाद किया और कहा कि सैक्टर-33 को हरा-भरा बनाएंगे। उन्होंने भविष्य में बड़े स्तर पर पौधारोपण के लिए काम करने का आह्वान किया। पौधारोपण कार्यक्रम में सभी ने पूरे उत्साह के साथ इसे अपनी नैतिक जिम्मेवारी समझते हुए भाग लिया और सभी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। सभी ने भविष्य में पौधारोपण व स्वयं द्वारा लगाए पौधों के पालन-पोषण का संकल्प लिया। यह पौधारोपण कार्यक्रम सेक्टर 33 के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। इससे न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि सेक्टर के निवासियों को भी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। पौधारोपण के दौरान प्रधान धर्मवीर पानू के अलावा प्रोफेसर कुंवर सिंह नेहरा, रामकुमार संगवाल, टेकराम पूनिया, एसडीओ पवन श्योराण, जेई सुरेंद्र सिंह, प्रवक्ता सुमन, डॉक्टर मीना पानू, बबीता गोटिया, सुनीता रहेजा, दीप्ति अहलावत, मायावती बेनीवाल, डॉक्टर जगदेव, डॉ. राजवीर, अशोक भूटानी, धर्मपाल कुशवाह, जगदीश गोदारा, राकेश बेरवाल, सुखबीर संधू, देवेंद्र कुंडू नीरज सोनी, लक्ष्मी नारायण, डॉक्टर संदीप, अमित गर्ग, धर्मसिंह खटकड़ बलबीर भुंबक, धर्मपाल मेहता, वीरसिंह राव, महेंद्र भादू, कृष्ण भादू, नीरज गोयल, पारुल आहूजा, नवीन तनेजा, बलदेव मास्टर, अनूप जिंदल, राजपाल बेनीवाल, सूबेदार कृष्ण सिंधु, सूबेदार परमार, राहुल भयान, सज्जन मित्तल, जयदेव शर्मा, अशोक मेहता अमित गर्ग बवेजा साहब सत्यदेव शास्त्री राजेंद्र सिंह आदि काफी संख्या में सेक्टर वासी उपस्थित थे।